चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Transparent News	25.07.2026	-----	----

Haryana Agricultural University's ABIC Registered in Haryana; Agri Startups toGain New Opportunities: Prof. Kamboj

Hisar
Transparent News
Bureau

July 24:- The Agri Business Incubation Centre (ABIC) at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU), Hisar, has been officially registered in Haryana. This milestone is expected to provide a major boost to agriculture-based innovation and entrepreneurship in the state. Eligible startups incubated at ABIC will now be able to avail themselves of various benefits under the Startup Haryana policy, including

grants of up to Rs. 10 lakh for product development, prototype creation, market validation, andbusiness scaling.

Congratulating the ABIC team on this achievement, Vice-Chancellor Prof. Baldev Raj Kamboj said that registration with Startup Haryana would further strengthen the university's innovation ecosystem. He emphasized that the recognition would create new opportunities for young entrepreneurs in agriculture and foster a robust agri-startup ecosystem in Haryana. He added that ABIC would play a pivotal role in taking the state's agricultural innovations to national and international platforms in the coming years. Prof. Kamboj further highlighted that under the Startup Haryana policy, registered incubators are eligible for financial assistance of up to Rs. 50 lakh for organizing or participating in national and international exhibitions, startup delegations, seminars, and expositions. In addition, support of up to Rs. 20 lakh is available for organizing startup competitions, hackathons, and innovation programs. He also informed that under the Rashtriya Krishi Vikas Yojana (RKVY)-RAFTAAR programme of the Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Government of India, ABIC has trained 280 agripreneurs through seven training batches so far. Grant assistance of nearly Rs. 10 crore has also been approved for 77 agri-startups under the programme. ABIC Director Dr. Rajesh Gera said that since its establishment in 2019, the incubationcentre has been actively promoting agriculture- and farmer-centric innovations. Financial assistance has also been utilized to develop state-of-the-art incubation infrastructure and install advanced equipment. These facilities have significantly enhanced ABIC's laboratories, testing capabilities, mentoring support, and industry- startup linkages.

Dr. Gera noted that the incubated startups have made valuable contributions to the development of innovative agricultural technologies, value addition, employment generation, and enhancement of farmers' incomes. He added that ABIC will soon invite applications for the next training batch, enabling more aspiring agri-entrepreneurs to benefit from the programme. Among those present on the occasion were OSD Dr. Atul Dhingra, Media Advisor Dr. Sandeep Arya and members of the ABIC team.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.7.26	7	1-2

एचएयू एबिक का स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकरण, कृषि नवाचारों को बढ़ावा

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एबिक सेंटर का स्टार्टअप अब स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकृत हो गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के अनुसार इससे राज्य में कृषि आधारित नवाचारों और कृषि स्टार्टअप को नई गति मिलेगी। एबिक से जुड़े पात्र स्टार्टअप्स अब हरियाणा की योजनाओं के तहत 10 लाख रुपये तक अनुदान के लिए आवेदन कर सकेंगे, जिससे उत्पाद विकास, प्रारूप निर्माण, बाजार परीक्षण और उद्यम विस्तार में मदद मिलेगी। राज्य नीति के तहत पंजीकृत इन्क्यूबेटरों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, सेमिनार और डेलिगेशन गतिविधियों के लिए 50 लाख रुपये तक तथा स्टार्टअप प्रतियोगिताओं और हैकाथॉन जैसे कार्यक्रमों के लिए 20 लाख रुपये तक सहायता का प्रावधान है। एबिक निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि 2019 से केंद्र प्रशिक्षण, मेंटरिंग और परीक्षण सुविधाओं के जरिए कृषि उद्यमिता को मजबूत कर रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	25.1.26	10	1-3

हरियाणा में कृषि आधारित नवाचारों व कृषि स्टार्टअप्स को मिलेगी गति : प्रो. काम्बोज

■ उद्यम को बढ़ाने के लिए 10 लाख के अनुदान के लिए पात्र होंगे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ एबिक की टीम।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एबिक सेंटर का स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकरण हो गया है। इस उपलब्धि से हरियाणा में कृषि आधारित नवाचारों और कृषि स्टार्टअप्स को नई गति मिलेगी। अब एबिक से जुड़े पात्र स्टार्टअप्स हरियाणा की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे तथा 10 लाख रुपये तक की अनुदान राशि के लिए आवेदन करने के लिए भी पात्र होंगे। यह वित्तीय सहायता नए उत्पादों के विकास, प्रारूप तैयार करने, बाजार परीक्षण तथा उद्यम को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए एबिक की टीम को बधाई देते हुए कहा कि स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकृत होने से विश्वविद्यालय की नवाचार गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी। इससे कृषि क्षेत्र के युवाओं को स्टार्टअप और नवाचार के क्षेत्र में नए अवसर प्राप्त होंगे एवं हरियाणा में एग्री स्टार्टअप का मजबूत इकोसिस्टम विकसित होगा। एबिक आने वाले वर्षों में राज्य के कृषि नवाचारों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	25.7.26	5	3-1

कृषि उद्यमिता के सपनों को मिलेगी नई दिशा

एबिक सेंटर का स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकृत, अनुदान राशि के पात्र होंगे लाभार्थी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के एबिक सेंटर का स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकरण हो गया है। इस उपलब्धि से प्रदेश में कृषि आधारित नवाचारों और कृषि स्टार्टअप्स को नई दिशा और गति मिलेगी। अब एबिक से जुड़े पात्र स्टार्टअप्स हरियाणा सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे।

साथ ही 10 लाख रुपये तक की अनुदान राशि के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। यह वित्तीय सहायता नए उत्पादों के विकास, प्रारूप तैयार करने, बाजार परीक्षण और उद्यम विस्तार में सहायक सिद्ध होगी।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस उपलब्धि पर एबिक की टीम को बधाई देते हुए कहा कि स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकरण से विश्वविद्यालय की नवाचार गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी। इससे कृषि क्षेत्र के युवाओं को स्टार्टअप और नवाचार के क्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे तथा हरियाणा में एग्री स्टार्टअप का मजबूत इकोसिस्टम विकसित होगा।

राज्य सरकार की स्टार्टअप हरियाणा नीति के अनुसार पंजीकृत इन्क्यूबेटरों (ऐसी संस्था या केंद्र जो नए स्टार्टअप्स और उद्यमियों को शुरुआत से आगे बढ़ने में सहायता करता है।) को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, स्टार्टअप डेलिगेशन, सेमिनार और प्रदर्शनियों के आयोजन अथवा उनमें भागीदारी के लिए 50 लाख रुपये तक की सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। ब्यूरो

280 कृषि उद्यमियों को किया जा चुका है प्रशिक्षित

एबिक सेंटर की ओर से अब तक सात प्रशिक्षण चरणों के माध्यम से 280 कृषि उद्यमियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। 77 स्टार्टअप्स को लगभग 10 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता स्वीकृत की गई है। एबिक के निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि एबिक वर्ष 2019 से कृषि एवं किसान हितैषी नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। नई तकनीकों पर आधारित इन्क्यूबेशन सुविधाओं के विकास और आधुनिक उपकरणों की स्थापना के लिए भी वित्तीय सहयोग का प्रावधान किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.7.26	5	7-8

हकृवि का एबिक स्टार्टअप हरियाणा में हुआ पंजीकृत, कृषि स्टार्टअप्स को मिलेंगे नए अवसर: प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ एबिक की टीम

हिसार, 24 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एबिक सेंटर का स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकरण हो गया है। इस उपलब्धि से हरियाणा में कृषि आधारित नवाचारों और कृषि स्टार्टअप्स को नई गति मिलेगी। अब एबिक से जुड़े पात्र स्टार्टअप्स हरियाणा की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे तथा 10 लाख रुपये तक की अनुदान राशि के लिए आवेदन करने के लिए भी पात्र होंगे। यह वित्तीय सहायता नए उत्पादों के विकास, प्रारूप तैयार करने, बाजार परीक्षण तथा उद्यम को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए एबिक की टीम को बधाई देते हुए कहा कि स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकृत होने से विश्वविद्यालय की नवाचार गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी। इससे कृषि क्षेत्र के युवाओं को स्टार्टअप और नवाचार के क्षेत्र में नए अवसर प्राप्त होंगे। इस अवसर पर ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया सलाहकार डॉ. संदीप आर्य तथा एबिक की टीम उपस्थित रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	25.7.26	6	5-8

हकृवि का एबिक स्टार्टअप हरियाणा में हुआ पंजीकृत, कृषि स्टार्टअप्स को मिलेंगे नए अवसर : प्रो. काम्बोज

हिसार, 24 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एबिक सेंटर का स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकरण हो गया है। इस उपलब्धि से हरियाणा में कृषि आधारित नवाचारों और कृषि स्टार्टअप्स को नई गति मिलेगी। अब एबिक से जुड़े पात्र स्टार्टअप्स हरियाणा की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे तथा 10 लाख रुपये तक की अनुदान राशि के लिए आवेदन करने के लिए भी पात्र होंगे। यह वित्तीय सहायता नए उत्पादों के विकास, प्रारूप तैयार करने, बाजार परीक्षण तथा उद्यम को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए एबिक की टीम को बधाई देते हुए कहा कि स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकृत होने से विश्वविद्यालय की नवाचार गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी। इससे कृषि क्षेत्र के युवाओं को स्टार्टअप और नवाचार के क्षेत्र में नए अवसर प्राप्त होंगे एवं हरियाणा

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ एबिक की टीम।

में एग्री स्टार्टअप का मजबूत इकोसिस्टम विकसित होगा। एबिक आने वाले वर्षों में राज्य के कृषि नवाचारों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राज्य सरकार की स्टार्टअप हरियाणा नीति के अनुसार पंजीकृत इन्क्यूबेटरों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, स्टार्टअप डेलिगेशन, सेमिनार और प्रदर्शनी आयोजित करने अथवा उनमें भाग लेने के लिए 50 लाख रूपए तक की सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा स्टार्टअप प्रतियोगिताओं, हैकाथॉन एवं इनोवेशन कार्यक्रमों के आयोजन के लिए 20 लाख रूपए तक की सहायता उपलब्ध होगी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक सात प्रशिक्षण चरणों के माध्यम से 280 कृषि उद्यमियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। साथ ही 77 स्टार्टअप्स को लगभग 10 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता स्वीकृत की गई है। एबिक के निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि एबिक वर्ष 2019 से कृषि एवं किसान हितैषी नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। नई तकनीकों पर आधारित इन्क्यूबेशन सुविधाओं के विकास एवं आधुनिक उपकरणों की स्थापना के लिए भी वित्तीय सहयोग का प्रावधान किया गया है। इन सुविधाओं से एबिक अपनी प्रयोगशालाओं, परीक्षण सुविधाओं, मेंटरिंग सेवाओं और उद्योग-स्टार्टअप नेटवर्क को और अधिक मजबूत करेगा। इन स्टार्टअप्स ने कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों के विकास, मूल्य संवर्धन, रोजगार सृजन तथा किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस वर्ष भी एबिक द्वारा नए प्रशिक्षण चरण के लिए जल्दी ही आवेदन भी आमंत्रित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक युवा कृषि उद्यमी इस कार्यक्रम का लाभ उठा सकें। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया सलाहकार डॉ. संदीप आर्य तथा एबिक की टीम उपस्थित रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25.7.26	1	1-4

हकृवि का एबिक स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकृत

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एबिक सेंटर का स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकरण हो गया है। इस उपलब्धि से हरियाणा में कृषि आधारित नवाचारों और कृषि स्टार्टअप्स को नई गति मिलेगी। अब एबिक से जुड़े पात्र स्टार्टअप्स हरियाणा की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे और 10 लाख रुपये तक की अनुदान राशि के लिए आवेदन करने के लिए भी पात्र होंगे। यह वित्तीय सहायता नए उत्पादों के विकास, प्रारूप तैयार करने, बाजार परीक्षण तथा उद्यम को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकृत होने से विश्वविद्यालय की नवाचार गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी। इससे कृषि क्षेत्र के युवाओं को स्टार्टअप और नवाचार के क्षेत्र में नए अवसर प्राप्त होंगे एवं हरियाणा में एग्री स्टार्टअप का मजबूत इकोसिस्टम विकसित होगा। एबिक आने वाले वर्षों में राज्य के कृषि नवाचारों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राज्य सरकार की स्टार्टअप हरियाणा नीति के अनुसार पंजीकृत इन्क्यूबेटरों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, स्टार्टअप डेलिगेशन, सेमिनार और प्रदर्शनी आयोजित करने अथवा उनमें भाग लेने के लिए 10 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा स्टार्टअप प्रतियोगिताओं, हैकाथान एवं इंक्यूबेशन कार्यक्रमों के आयोजन के लिए 20 लाख रुपये तक की सहायता उपलब्ध होगी।

हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ एबिक की टीम।

10 लाख रुपये तक की अनुदान राशि के लिए आवेदन करने के होंगे पात्र

2019 से किसान हितैषी नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए कर रहा है कार्य

• अब एबिक से जुड़े पात्र स्टार्टअप्स हरियाणा की विभिन्न योजनाओं का उठा सकेंगे लाभ

आधुनिक उपकरणों की स्थापना के लिए भी वित्तीय सहयोग का प्रविधान : गेरा

एबिक के निदेशक डा. राजेश गेरा ने बताया कि एबिक वर्ष 2019 से कृषि एवं किसान हितैषी नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। नई तकनीकों पर आधारित इन-क्यूबेशन सुविधाओं के विकास एवं आधुनिक उपकरणों की स्थापना के लिए भी वित्तीय सहयोग का प्रविधान किया गया है। इन सुविधाओं से एबिक अपनी प्रयोगशालाओं, परीक्षण सुविधाओं, मेंटरिंग सेवाओं और उद्योग-स्टार्टअप नेटवर्क को और अधिक मजबूत करेगा।